कोविड-19 का राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

लेखक- सरिता बैरवा[1], डॉ. राधेश्याम जग्रवाल[2]

[1]शोधार्थी, [2]शोध पर्यवेक्षक

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक

सार- ''परिवर्तन विज्ञान सम्मत है परिवर्तन को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है जबकि प्रगति राय और विवाद का विषय है।

उपर्युक्त कथन आर्थिक व सामाजिक प्रगति के इस युग में उत्पन्न हुए विभिन्न विवाद को ही चरितार्थ करता है जिनमें से वर्तमान समय में कोरोना से उत्पन्न महामारी को उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है जिससे विश्व अर्थव्यवस्था व समाज को अनेक परिवर्तन का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना वायरस के आर्थिक प्रभाव पर प्रकाश डाले तो यह प्रतीत होता है कि इस वायरस की वजह से समस्त विश्व की अर्थव्यवस्था मंदी के साथ-2 अनुत्पादक होती जा रही है। हाल ही में ''कोरोना वायरस महामारी और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं पर इसके प्रभाव'' के अध्ययन ने इस तथ्य को उजागर किया है कि इस महामारी ने सभी देशों की अर्थव्यवस्था भी इससे प्रभावित किया है तथा भारत की अर्थव्यवस्था भी इस महामारी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहा है। हमारे इस अध्ययन का उद्देश्य राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर हुए कोरोना प्रभाव का उल्लेख करना रहा है।

प्रस्तावना –

भारतीय राज्य राजस्थान में कोराना वायरस का पहला मामला 2 मार्च 2020 को एक 69 वर्षीय इतालवी पर्यटन जो इटली के 23 पर्यटनों के समूह का हिस्सा था। में कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया।

19 मार्च को धारा 144 जिसने बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए राजस्थान में पंच या अधिक की भीड़ को प्रतिबंधित कर दिया था। राज्य ने सबसे पहले आवश्यक सेवाओं को जोड़कर 22 मार्च से पूर्ण तालाबंदी की घोषणा की थी। 22 मार्च को राज्य में सार्वजनिक परिवहन सेवाये पर प्रतिबंध लगा दिया। जिसका कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव रहा है। कई क्षेत्रों में नकारात्मक वृद्धि देखी गई। कोविड़-19 महामारी के प्रकोप के कारण वैश्विक रूप से आर्थिक विकास को भारी झटका लगा और लगातार दो वर्षों में 2 पूर्ण लॉक-डाउन लागू किए गए। इन लॉक-डाउन ने न केवल लाखों नागरिकों को घरों तक सीमित कर दियाए बल्कि सभी प्रमुख आर्थिक गतिविधियां भी काफी हद तक बंद हो गई। वर्ष 2020-21 में राज्य की आय को काफी हद तक नुकसान हुआ लेकिन सरकार की नीतियों एवं उसके प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ। कृषि और सम्बद्ध सेवाओं के बाद विनिर्माण क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए दुसरा प्रमुख प्रेरक क्षेत्र रहा है। वर्ष 2020-21 में अखिल भारतीय स्तर के 9.2 प्रतिशत की तुलना में राजस्थान की समग्र अर्थव्यवस्था के 11.4 प्रतिशत की दर से बढने का अनुमान है।

बीज शब्द - अर्थव्यवस्था कोविड-19 कृषि क्षेत्र उद्योग क्षेत्र सेवा.क्षेत्र आर्थिक गतिविधियाँ सकल घरेलू उत्पाद लॉक-डाउन वृद्धि दर प्रचलित मूल्य स्थल मूल्य सकारात्मक प्रभाव नकारात्मक प्रभाव

उद्देश्य-

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य कोविड-19 का राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव (नकारात्मक/सकारात्मक) का अध्ययन करना साथ ही राज्य सरकार द्वारा कोरोना से निपटने के लिए किए गए प्रयासों का संक्षिप्त अध्ययन करना है

कोविड-19 का राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव-

कोरोना के कारण लगाए गए लॉक-डाउन से राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर निम्न प्रभाव देखे गए।

(i) सकल घरेलू उत्पादन में कमी

जीएसडीपी वृद्धि दर (प्रचलित मूल्यों पर)

वर्ष	वृद्धि दर(%)
2017–18	9.46
2018–19	9.51
2019–20	1.43
2021–22	18.04

जीएसडीपी वृद्धि दर (स्थिर मूल्यों पर)

वर्ष	वृद्धि दर(%)
2017–18	5.42
2018–19	2.37
2020–21	–2.86
2021–22	11.04

उपर्युक्त सारणियों से स्पष्ट है कि राज्य में घरेलू उत्पाद वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण वर्ष 2020-21 में प्रत्याशित मूल्यों पर वृद्धि पर 2019-20 की 9.58 % वृद्धि की तुलना में 1.43 % रही। स्थिर मूल्य पर देखें तो राज्य में वृद्धि दर की तुलना में 2020-21 में -20.86 % की वृद्धि हो रही है।

(ii) क्षेत्रवार विकास दर पर प्रभाव

स्थिर मूल्य (2011-12) पर क्षेत्रवार सकल राज्य मूल्य वर्धन

;राशि करोड़ में)

वर्ष	कृषि	निर्माण क्षेत्र	सेवा क्षेत्र
2017–18	148692	191886	249430
2018–19	156850	165912	277350
2019–20	175590	163320	287035
2020–21	185839	154115	270284
2021–22(अ.)	194722	177801	302418

स्थिर (2011-12) बुनियादी मूल्यों पर क्षेत्रवार विकास दर प्रतिशत वर्ष

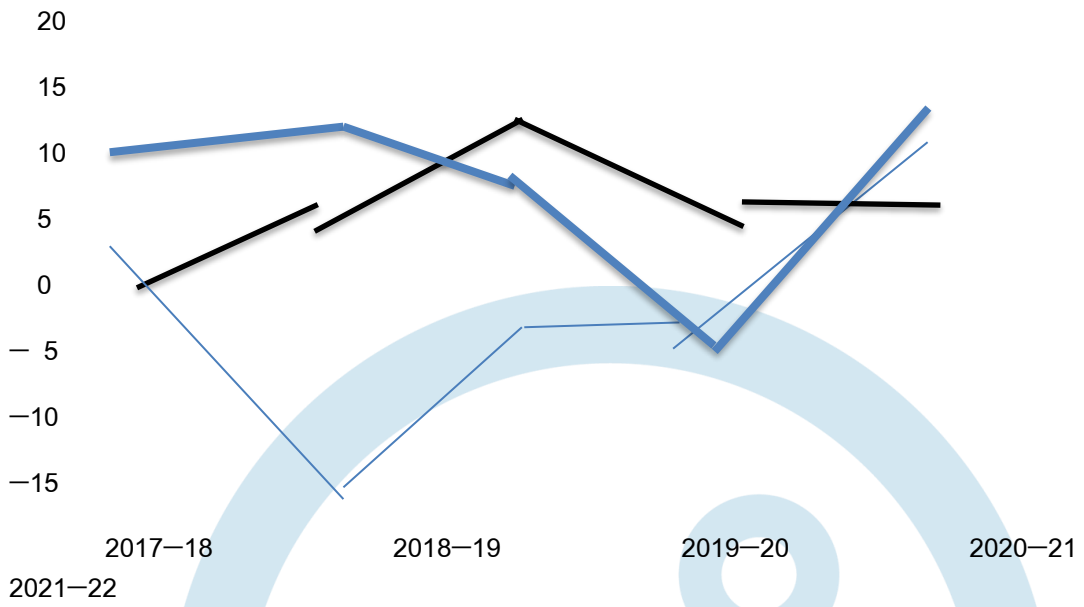

वर्ष	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22
कृषि	–0.07	5.49	11.95	5.84	4.78
उद्योग	2.73	–13.54	–1.56	–5.64	15.37
सेवा	9.62	11.19	3.49	–5.84	11.89

कोरोना काल में तीन क्षेत्रों की विकास दर पर नकारात्मक प्रभाव रहा। कृषि क्षेत्र का विकास 2019-20 में 11.95 से कम होकर 2021-22 में 5.84 % हो गया। इसी प्रकार उद्योग क्षेत्र के विकास दर -1.56 % से कम होकर -5.64 % व सेवा क्षेत्र के विकास दर 3.49 % से कम होकर -5.84 % हो गई है।

(iii) **प्रति व्यक्ति आय पर प्रभाव**

राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय (प्रचलित मूल्यों पर)

वर्ष	प्रति व्यक्ति आय	प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर(%)
2017–18	98698	7.37
2018–19	106624	8.03
2019–20	115356	8.19
2020–21	115933	0.50
2021–22	135218	16.63

राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय स्थिर (2011.12द्ध मूल्यों पर

वर्ष	प्रति व्यक्ति आय	प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर(%)
2017–18	73529	3.09

2018–19	73929	0.54
2019–20	76882	3.99
2020–21	74009	–3.74
2021–22	81231	9.76

वृद्धि दर की दृष्टि से देखा जाए तो वर्ष 2019-20 में वृद्धि दर जहां 8.19 % थी वही 2020-21 में कम होकर केवल 0.50 % ही रह गई है। (प्रचलित मूल्य स्थिर मूल्यों पर भी विकास दर 3.99 % से कम होकर -3.74 % हो गई है।

(iv) **औद्योगिक विकास दर पर प्रभाव**

औद्योगिक क्षेत्र का प्रचलित एवं स्थिर (2011-12द्ध मूल्यों पर सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) एवं वृद्धि दर

वर्ष	(जीएसवीए) प्रचलित मूल्यों पर	प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर(%)
2017–18	230230	8.25
2018–19	225599	–2.01
2019–20	228721	1.38
2020–21	74009	–2.71
2021–22	275163	23.66

वृद्धि दर

वर्ष	(जीएसवीए) स्थिर मूल्यों पर	प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर(%)
2017–18	191886	2.73
2018–19	165912	–13.54
2019–20	163320	–1.56
2020–21	154115	–5.64
2021–22	177801	15.37

उपर्युक्त दोनों तालिकाओं से स्पष्ट है कि कोरोना काल में (2020-21) औद्योगिक क्षेत्र में प्रचलित व स्थिर मूल्यों में वृद्धि दर दोनों में ही विकास दर में कमी आई है।

(v) निर्यात पर प्रभाव -

वर्ष	निर्यात (रु. करोड़ में)
2016–17	40776.11
2017–18	46476.92
2018–19	51178.41
2019–20	49946.09
2020–21	52764.31

वर्ष 2020-21 में राज्य से किए गए निर्यातों में कुल वृद्धि हुई है परन्तु कपड़ा जवाहरात व आभूषण अभियांत्रिकी लौह-अलौह धातु ऊन व ऊन कपड़े ड्रग्स वफामस्यिूटिकल चमडा व चर्म उत्पाद तैयार वस्त्रए कालीन (ड्यूरीज) आदि के निर्यात में कमी देखी गई है।

(vi) **सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर**

वर्ष	जीएसवीए(प्रचलित मूल्यों पर)	(प्रचलित मूल्यों पर)वृद्धि दर
2017–18	351566	14.53
2018–19	411269	16.98
2019–20	443979	7.95
2020–21	433244	–2.42
2021–22	503180	16.14

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि सेवा क्षेत्र में प्रचलित मूल्यों पर वृद्धि दर वर्ष 2019-20 में जहां 7.95 % रही वही 2020-21 में कम होकर केवल -2.42 % ही रह गई।

वर्ष	सेवा क्षेत्र का जीएसवीए (स्थिर मूल्यों पर)	स्थिर मूल्यों पर वृद्धि दर(%)
2017–18	249430	9.62
2018–19	277350	11.19
2019–20	287035	3.49
2020–21	270284	–5.89
2021–22	302418	11.89

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 2019-20 में स्थिर मूल्यों पर सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर जहां 3.49 % थी। वही कम होकर वर्ष 2020-21 में मात्र –5.89 % रह गई है।

सरकारी प्रयास-

प्रदेश में टीकाकरण का पहला चरण 16 जनवरी 2021 से शुरू किया गया था। राज्य में 31 दिस. 2021 तक कुल 8.16 करोड़ कोविड़ वैक्सीन से पात्र लाभार्थियों का टीकाकरण किया जा चुका है। कोविड़-19 महामारी के कारण 21 जून 2021 को सम्पूर्ण राज्य में ''स्वास्थ्य के लिए योग'' विषय पर घरों में अन्तर राष्ट्रीय योग दिवस का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोविड़-19 को एक अन्तर राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य आपात काल घोषित किए जाने के मध्य नजर एवं स्वास्थ्य मंत्रालयए भारत सरकार से प्राप्त होने वाले महामारी से संबंधित दिशा-निदेशों के अनुसार राज्य में बचावए नियंत्रण के लिए विभिन्न उपायए उपचारए जाँच (संपर्क ट्रेसिंग) ओर सूचना का प्रसार किया गया।

घर-2 सर्वे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के पर यात्रियों की स्क्रीनिंग मेडिकल कालेजों ओर जिला अस्पतालों में रोगग्रस्त यात्रियों की पहचान आइसोलेशन वार्डों में संक्रमित यात्रियों की स्क्रीनिंग और प्रवेश एवं देश के सभी हिस्सा से आने वाले यात्रियों की जानकारी एकत्र करने जैसी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया। कोविड-19 के दौरान सीखने में निरंतरता हेतु ऑनलाइन अध्ययन का प्रावधान किया गया ।

निष्कर्ष-

उपर्युक्त वर्णन से स्पष्ट है कि राजस्थान राज्य मे कोविड-19 के कारण अर्थव्यवस्था के अनेक क्षेत्रों पर विपरीत प्रभाव पड़ा परन्तु साथ ही राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 से निपटने के लिए अनेक प्रयास किए गएए जिसके कारण अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव दीर्घकाल तक जारी नहीं रहें।

Bibliography -

(i) आर्थिक समीक्षा – 2021-22

(ii) कोविड-19 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव - अर्चना सेठी एस. के. पाण्डेय राधा पाण्डेय

(iv) Impact of Covid-19 on tourism sector: a case study of Rajasthan] india- Rajeev Singh Chandel, Shruti Ranha, Suraj Kumar Singh

(iii) Raj swasthya.nic.in